'राज्य के विकास पर केंद्रित बजट'

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : आइआइएम रायपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर रामकुमार काकानी ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह समावेशिता और राज्य के विकास पर केंद्रित एक सर्वांगीण बजट है। औद्योगिक विकास पर विशेष जोर देते हुए प्रदेश सरकार ने औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 23 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

प्रो. रामकुमार काकानी, डायरेक्टर आइआइएम, रायपुर।

यह मुख्य रूप से उद्योगपतियों के लिए रुकावटों को दूर करने पर केंद्रित है, जो कि राज्य में उनके विकास को बाधित कर रहे थे। इसके अलावा, हवाई अड्डे के विकास के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रविधान बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देता है, जो उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे सीधे तौर पर उद्योगपतियों को व्यापार करने में आ रही दिक्कतें दूर होंगी।

दूसरा, रायपुर में एनआइएफटी (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलाजी) की घोषणा के साथ-साथ आइआइएम रायपुर, आइआइटी भिलाई, एनआइटी रायपुर जैसे प्रमुख संस्थानों के अस्तित्व में आने से राज्य राष्ट्र के कौशल केंद्र के रूप में बदल जाएगा, जिसमें प्रबंधन, प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता से संबंधित कौशल राज्य में ही विकसित होंगे।

तीसरा, बजट में पक्के मकान बनाने के लिए 875 करोड़ और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए 330 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो दर्शाता है कि राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर केंद्रित है और सभी के लिए समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

उद्योगों को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए विजन अच्छा : उद्योगों को रोजगारोन्मुखी बनाने पर फोकस किया गया है, न कि उनके निवेश पर। यह युवाओं के लिए अच्छा संकेत है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा । यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ ही युवाओं को सशक्त करने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

गवर्नेंस, औद्योगिक विस्तार और तकनीक से फायदा : बजट में गुड गवर्नेंस, औद्योगिक विस्तार, इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीक को प्रमुख स्थान दिया गया है। यह प्रदेश के आर्थिक विकास में अहम योगदान अदा करता है। क्योंकि गुड गवर्नेंस से जनता को फायदा मिलता है, औद्योगिक विस्तार से आर्थिक गति तेज होती है, तकनीक के माध्यम से काम सरल और सहज होता है और अंततः ढांचागत विकास से लोगों को सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे में यह पूर्णतः संतुलित बजट है।

Naidunia (city), 04 March, 2025, P.04